आजा खाजा रे दवाई गुरुजी वैद्य आया लिरिक्स

आजा खाजा रे दवाई,
गुरुजी वैद्य आया।

दोहा – टेडे मेडे गोलमोल,
सिलावट पाषाण को,
विविध प्रकार,
धर मूर्ति बनाय दे,
काठ की बढ़ाई जैसे,
अनेकों बना वस्तु,
माटी को कुम्हार ऊंचे,
मोल में बिकाय दे।
पट को सजाय दर्जी,
लोहे को लोहार कसी,
सोने में सुनार जैसे,
सुहागा सजाय दे।
भारती पूरण ऐसे,
गुरु जो गढाई करें,
दानव से देव कर,
जग में पूजाय दे।

आजा खाजा रे दवाई,
गुरुजी वेद्य आया,
थारी मिटेगी बीमारी,
सुधरेगी काया।bd।

बांटे सत्संग माय,
औषधि ज्ञान लाया,
करे है मुफ्त में उपचार,
लेय नहीं धन माया,
आजा खाजा रे दवाई,
गुरुजी वेद्य आया,
थारी मिटेगी बीमारी,
सुधरेगी काया।bd।

देखी कर्मा की नब्ज,
मर्ज का भेद पाया,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रोगी हरसाया,
आजा खाजा रे दवाईं,
गुरुजी वेद्य आया,
थारी मिटेगी बीमारी,
सुधरेगी काया।bd।

चेतन भारती गुरुजी,
कर गया खूब छाया,
भारती पूरण निरोगी,
भयो गुण गाया,
आजा खाजा रे दवाईं,
गुरुजी वेद्य आया,
थारी मिटेगी बीमारी,
सुधरेगी काया।bd।

आजा खाजा रे दवाईं,
गुरुजी वेद्य आया,
थारी मिटेगी बीमारी,
सुधरेगी काया।bd।

गायक – पुरण भारती जी महाराज।
Upload By – Aditya Jatav
8824030646

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com